參與國際文化交流活動資料蒐集

請　貴單位/台端在執行補助案時，收集該活動或計畫（如下列）之相關資料，於核銷時連同成果報告書一併附上。

一、活動或藝術節基本資料：（將公開上網資料）

1.活動或藝術節名稱（中文）：2016 Ashirwad（祝福）國際藝術節

（英文):2016 Ashirwad International Theatre Festival

2.主辦單位（中文）：比哈爾省邦貝古薩賴祝福劇團

（英文）：Ashirwad Rangmandal Begusarai, Bihar

3.活動或藝術節時間（年、月、日）：2016 年 3 月 27 日~4 月 3 日

4.活動或藝術節地點：印度比哈爾省邦 貝古薩賴

5.活動簡介(或藝術節起源及現況)（約 400 字）：

2016 年 Ashirwad International Theatre Festival 是由印度比哈爾省邦的 Ashirward Rangmandal Begusarai, Bihar 劇團所籌畫，在此之前已經辦了六屆的藝術節，今年的節目內容擴大到國際劇場，邀請來自世界各地優秀導演的創作作品參與，在 3 月 27 日至 4 月 3 日陸續呈現 5 個分別來自臺灣、挪威、菲律賓、孟加拉等國際邀演節目，為貝古薩賴當地所舉辦的第一屆國際藝術節。

策展人 Mr.Amit Roushan 說道：「籌劃國際藝術節的理念希望將劇場藝術視為一種慶典活動，讓表演藝術成為民眾生活中不可或缺的部份。尤其今年擴大為國際藝術節，更希望可以打開在地觀眾國際視野，看到劇場藝術的多元性同時展現市政廳的多功能用途。」至於藝術節評選作品的方式則依據印度、亞洲甚至阿拉伯世界的資深劇場界而定，藝術節節目亦反射在不同的創作需求和文化環境下，展演作品如何反映出各式各樣不同的表演形式，讓所有參與其中的人皆不斷地受到啟發，可見創作者們都意圖朝著一種可以反映真實生活的圖像創作語彙而努力。

近年來，世界各地的藝術節地位皆日趨重要，不論是在印度或是其他亞洲國家，多元化的融合各種語言、文化以及傳統藝術等各層面的表演，是包含 Ashirwad International Theatre Festival 在內所有藝術節渴望看到且重視的呈現方式。尤其是今年藝術節主辦單位更期待 Dinkar Kala Bhawan, Begusarai 市政廳在日後場館營運上扮演重要且具專業水準的展演殿堂。

6.節目、藝術家或團體的遴選方式：

團隊經過印度在地專家推薦後，由藝術節策展人考核通過後，始能參加藝術節的演出。

7.本屆及歷年來參與之台灣藝術家或團體名單：

1/EX-亞洲劇團。2/演摩莎劇團

8.主辦單位聯絡方式：

聯絡人：Mr.Amit Roushan

電話：+91-9835030775/+91-9431417805

地址：Kalisthan Chowk, Rotary Blood Bank, Begusarai, PIN-8551101,India

網址：www.ashirwadrangmandal.org

Email：ashirwadrangmandal@gmail.com

9.其他相關訊息：

同時期，南印度的 Kerala 亦有戲劇藝術節，雖然不屬於同一主辦單位的節目，但因時間相近，可以提早規劃考量參加。

藝術節相關網站：http://www.theatrefestivalkerala.com

二、主辦單位對膳宿及交通的安排方式（**請勾選後，簡單敘述**）：

1.食的部份 ☑ A.非常滿意 ☐ B.尚可 ☐ C.不滿意 ☑ D.無安排

請簡要說明：藝術節單位雖無提供膳食，但在園區的帳棚區內有各式的攤位販售餐飲，非常方便。

2.住的部份 ☑ A.非常滿意 ☐ B.尚可 ☐ C.不滿意 ☐ D.無安排

（附上住宿地點外觀及房間照片）請簡要說明：

飯店乾淨舒適、服務佳。二樓宴會廳可供排練。

3. 當地交通安排 □ A. 非常滿意 ☑ B. 尚可 □ C. 不滿意 □ D. 無安排

請簡要說明：在窗口聯繫上需再次確認以及時間掌控方面需稍加改善。

三、主辦單位負擔條件為何？（**請勾選後，詳細說明**）

■ 1. 演出費 印度盧布 Rs. 100,000

□ 2. 運費 _____

■ 3. 交通費 1. 新德里到巴特那（往返）。2. 機場到住宿飯店之間（往返）。3. 工作期間住宿飯店到演出地點（往返）。

■ 4. 日計生活費 工作人員 1 人印度盧布 Rs. 1,100／天。

■ 5. 文宣廣告費 包括節目看板、路邊旗、宣傳 DM、節目總冊。

□ 6. 保險費 _____

■ 7. 住宿費 團隊演出期間住宿。

■ 8. 安排當地拜訪或參觀行程 貝古薩賴當地演藝廳附近景點。

■ 9. 安排與計畫有關之活動（包括成果發表） 藝術節節目觀摩/導演專訪。

□ 10. 其他 _____

四、活動場地相關資料：（將公開上網資料）

1. 場地名稱：Dinkar Kala Bhawan, Begusarai, BIHAR, INDIA

2. 活動場地簡介（檢附場地室內外照片，或演出場地、舞台、劇場/音樂廳內外及觀眾席等之照片）：

印度祝福國際藝術節　正門入口

印度比哈爾省邦 Dinkar Kala Bhawan, Begusarai 市政廳　外觀

印度祝福國際藝術節　開幕典禮會場

印度祝福國際藝術節　開幕典禮

印度比哈爾省邦 Dinkar Kala Bhawan, Begusarai 市政廳　外牆宣傳看板

印度祝福國際藝術節　入口處宣傳看板

印度祝福國際藝術節　街道活動看板

印度祝福國際藝術節　介紹團隊導演

印度祝福國際藝術節　節目開演前點蠟燭祈福儀式

印度祝福國際藝術節　觀眾留言板

《聲外之音》演出現場觀眾席

《聲外之音》演出現場觀眾席

《聲外之音》演出現場觀眾席

3.活動照片（演出作品照片）：

4.觀眾席座位數：600 席

五、請附下列相關附件：

1.主辦單位簡介

關於 Ashirwad Rangmandal Begusarai, Bihar:

劇團的藝術總監為 Mr.Amit Roushan。自 2000 年創辦劇團，並從 2010 年開始以策展人身份籌辦第一屆祝福藝術節。Ashirwad Rangmandal(祝福劇團)為印度境內十分活躍的劇團，近年來在主導的藝術節策劃上，帶著對表演藝術的極大熱誠精心安排來自印度各地的多元文化節目，讓當地觀眾透過節目感受不同地域文化上的特色，得到民眾和當地政府的支持和認同，也大大提升了比哈爾省的戲劇節目水準，作為在地劇團有其無法取代的獨特角色。未來的目標希望打造劇團為一種國際交流平台，憑藉劇團對於藝術的鑑賞力和連結，引進國際具盛名的藝術家或是團體，立志國際創作交流的促成，以及推動世界劇場活動。

2.宣傳單/邀請卡/節目單

如附件

3. 當地媒體相關報導剪報

媒體報導｜聲外之音｜Hindustan Times｜2016 年 4 月	EX-亞洲劇團

2016.4/1 Hindustan（印度斯坦日報）

標題：
“《聲外之音》點出在愛情和尊嚴之間，誰是最後贏家？”

『EX-亞洲劇團在藝術節帶來的作品《聲外之音》，演員以反諷戲謔的表演方式呈現愛情和犧牲的關係。導演江譚佳彥亦透過作品探討人類關於「愛」與「恨」兩種相反面向的互古命題。』
（節錄）

Title: Victory of love over ego in the sound of a voice.
『Through the medium of the sound of a voice the artist of EX-Theatre Asia present the relationship of love and sacrifice with a teasing tone. Director Chongtham Jayanta Meetei discussed about love and hatred that is very important two aspects of human behavior.』

'द साउंड ऑफ व्वाइश' में अहंकार पर प्यार की जीत

बेगूसराय | नगर प्रतिनिधि

प्यार, मोहब्बत व इश्क शब्दों के लिहाज से अधूरा रहने के बावजूद हमेशा घृणा, नफरत और विध्वंस पर भारी पड़ा है। दुनिया के हर कोणे में प्यार मोहब्बत ने अपनी परिभाषा गढ़ने का काम किया है। कहते हैं प्यार में वह ताकत होती है जो दुश्मनों की भी सोच बदल देते हैं। प्यार मानव स्वभाव का अहम हिस्सा है। इसके बिना जिंदगी अधूरी रहती है।

आशीर्वाद अंतरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव के तीसरे दिन एक्स थियेटर एशिया ताइवान के कलाकारों ने 'द साउण्ड ऑफ व्वाइश' के माध्यम से इश्क और त्याग की दास्तां को बड़े ही मार्मिक अंदाज में प्रस्तुत किया। चोंगथम जयंत मित्तई निर्देशित इस नाटक में मानव स्वभाव के दो महत्वपूर्ण पहलुओं प्यार और दुश्मनी को उकेरने की कोशिश की गई।

कथानक के अनुसार एक संन्यासी स्त्री है जो अकेलेपन की जिंदगी जी रही है। संन्यासी स्त्री के जीवन में एक युवक आता है। युवक योद्धा है लेकिन उसे लगता है कि उसके अलावा कोई दूसरा वीर नहीं है। युवक के इस भ्रम और अहंकार को संन्यासी स्त्री दूर कर देती है। जब वह मार्शल आर्ट में उसे पछाड़ देती है तो युवक को संन्यासी स्त्री से प्यार हो जाता है। काफी जद्दोजहद के बाद संन्यासी स्त्री युवक के प्यार को कबूल करती है। लेकिन, युवक का स्वभाव है कि वह हर चीज अपने तरीके से पूरी कर सकता है। उसकी इसी सोच के कारण एक दिन स्त्री उसे छोड़ कर चली जाती है। स्त्री के चले जाने के बाद युवक को उसकी कमी खलती है। आखिरकार स्त्री की याद में युवक के जीवन का अंतिम पड़ाव आ जाता है।

कथानक का प्रस्थान बिन्दु इस बात की ओर रेखांकित करता है कि जीवन में असमंजस की स्थिति में लोग किसी भी निर्णय पर नहीं पहुंच पाते हैं। स्थिति यह होती है कि वह अपनी प्रिय चीज को भी खो देता है। युवक के रूप में कु यंग येन व संन्यासी स्त्री की भूमिका में हो यिंग ने प्रभावशाली अभिनय किया। अभिनेताओं ने दिखा दिया कि अभिव्यक्ति के लिए भाषा बंधन नहीं हो सकती है।

मात्र दो अभिनेताओं के सहारे निर्देशक ने मंच को गतिमान बनाये रखा। मार्शल आर्ट और रियलिस्टिक एप्रोच के मिश्रण ने नाटक को प्रभावशाली बना दिया। इससे पूर्व सदर एसडीओ विनय कुमार राय व डीसीएलआर अनु कुमार ने ताईवान के कलाकारों को बुके देकर उनका स्वागत किया। सदर एसडीओ ने कहा कि दिनकर की धरती पर ताइवान के कलाकारों का स्वागत है।

उन्होंने कहा कि बेगूसराय सांस्कृतिक परंपरा का निर्वहन करते आया है। हम अपनी संस्कृति के संरक्षण में कार्य करते रहेंगे। मौके पर महोत्सव के संयोजक अमित रौशन ने आगत अतिथियों का स्वागत किया।

पंजाब नेशनल बैंक की विष्णुपुर शाखा की प्रबंधक स्वाति व सदर एसडीओ ने कलाकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मौके पर चित्रकार सीताराम, ललन प्रसाद सिंह आदि ने अतिथियों को बुके प्रदान किया। संचालन अमित रौशन ने किया।

आशीर्वाद अंतरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव के तहत स्थानीय दिनकर कला भवन में मंगलवार की शाम नाटक प्रस्तुत करते ताइवान के कलाकार व मंच पर ताइवानी कलाकारों को सम्मानित किया गया। • हिन्दुस्तान

नाट्य महोत्सव

- ताइवान के रंगकर्मियों ने बिखेरा अभिनय का जलवा
- नाटक में प्यार और दुश्मनी को उकेरने की कोशिश

2016.4/1 Hindustan（印度斯坦日報）

【導演專題】：專訪臺灣 EX-亞洲劇團藝術總監--江譚佳彥
標題：”推廣劇場藝術之必要”

『導演江譚佳彥說：”劇場藝術在強化人際關係上的獨特性功能仍是現代科技所無法取代的。政府甚至應該明確地放入各級學校的教育課綱中。劇場藝術對於人類的文明史更有其舉足輕重的地位，各個國家尤其應更重視和強化表演藝術的重要性。唯有依靠劇場的蓬勃發展人類才得以啟發更深沈的思考。”他也提到”社會的發展性促使劇場往前一步非常重要。身為藝術創作者，我們應該意識到自己肩上所負的社會責任而不要一味自處於安全地帶。”』（節錄）

Title: Necessity of exposure towards theatre

『Jayanta said “Making a strong relationship among people is more significant than the technique. Theatre need to be included in the syllabus. Theatre is significant part of human civilization. It is important to make it strong and available to whole world. With the support from a strong theatre atmosphere we can inspire a new deep thinking approach. “He also mentions the importance of developing relationship with the society to bring theatre forward. Artist should come out with a responsibility on their shoulder and not stay inside their personal comfort zone.』

रंगमंच को लोकप्रिय बनाने की जरूरत

बेगूसराय | नगर प्रतिनिधि

रंगमंच मानवीय सभ्यता का एक अहम हिस्सा है। आज जरूरी है कि पूरी दुनिया में रंगमंच को लोकप्रिय बनाने की। मजबूत रंगमंच के सहारे ही लोगों में गहरी संवेदना पैदा की जा सकती है।

ये बातें हिन्दुस्तान से विशेष बातचीत करते हुए आशीर्वाद रंगमंडल की ओर से स्थानीय दिनकर भवन में आयोजित आशीर्वाद अंतर्राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव में शामिल होने आए ताइवान के नाट्य निर्देशक चोंग्थू जयंत मित्तई ने कही। उन्होंने कहा कि रंगमंच के विकास के लिए जरूरी है कि आम आवाम के साथ रिश्ते मजबूत हों। आम जनता की संवेदनाओं से जुड़े बिना रंगमंच का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि तकनीकि पक्ष रंगमंच के लिए सहायक हो सकता है प्रमुख नहीं। तकनीकि पक्ष से अधिक जरूरी है कि मानवीय रिश्तों को मजबूती प्रदान किया जाए।

उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी देशों में रंगमंच को सिलेबस में शामिल करने की जरूरत है। ताइवान की सरकार रंगमंच के विकास के लिए सिलेबस में नाटक को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि ताइवान में स्कूल में नाटक देखने के लिए बच्चों को प्रेरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि रंगमंच प्रोटेस्ट का सशक्त माध्यम है। दुनिया में आज हर तरफ युद्ध के खतरे मंडरा रहे हैं। ऐसे समय में और भी अधिक जरूरी हो जाता है कि साहित्यकर्मी, रंगकर्मी अपनी भूमिका के साथ लोगों के बीच आएं।

जयंत बोले

- तकनीक से अधिक मानवीय रिश्ते को मजबूत करना चाहिए
- थियेटर को सिलेबस में शामिल करने की जरूरत

बिजली ठप रहने से उपभोक्ता परेशान

परिहारा। रविवार को रजाकपुर पंचायत के लबराचौर में चोरों द्वारा 33 हजार केवी का विद्युत तार काट लिए जाने एवं पोल क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के फलस्वरूप पूरा बखरी प्रखंड अंधकार में डूब हुआ है।

इससे उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चार दिनों से विद्युत आपूर्ति ठप रहने से लोग ढिबरी एवं लालटेन जलाने को विवश है। लोगों को मोबाइल चार्ज कराने में दिक्कत हो रही है। वहीं ई रिक्सा का चार्ज पर भी संकट है। मोटर पंप ठप रहने से पेयजल की समस्या की गंभीर बनी है। एसडीओ लल्लू प्रसाद ने बताया कि क्षतिग्रस्त पोल को बदला जा रहा है। कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

2016.4/1 Dynic pioneer 先驅日報

標題：”捕獲人心的《聲外之音》！”

『貝古薩賴參與藝術節的觀眾目睹了一場來自臺灣，在 Dinkar 市政廳上演的作品《聲外之音》。整場演出中，兩位演員精湛的演技成功地擄獲在場觀眾的關注和投入，劇情由一名陌生訪客造訪獨居女人揭開，導演江譚佳彥透過作品闡述兩個男女在面對愛與任務之間的諷刺性，故事最後的結局出人意料。』（節錄）

Title: The sound of a voice captured the sentiment

『A Taiwanese production The sound of a voice was performed and witness by Begusarai audience at auditorium of Dinkar art center. Throughout the performance two performers successfully engage and capture the nerves of the audience by their impressive skill of acting. Play began when a stranger arrived with the motivation to kill a woman who lived alone in the wood. Under the direction of Chongthan Jayanta Meetei the play talk about the life of two people and their irony between love and execution.』

द साउण्ड आफ ए ब्यास ने किया भाव विभोर

जागरण संवाददाता, बेगूसराय : कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार व जिला प्रशासन के सौजन्य से आयोजित आशीर्वाद अन्तरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव के तीसरे दिन मंगलवार की देर शाम दिनकर कला भवन में ताईवान की टीम द्वारा नाटक द साउण्ड आफ ए ब्यास की प्रस्तुति की गई। नाटक की प्रस्तुति के दौरान अभिनय करने वाले कलाकारों ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। दरअसल चौगथम जयंत मित्तई के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक के माध्यम से हत्या व प्रेम के बीच उलझन का जीवंत चित्रण किया गया था। नाटक की शुरुआत एक सन्यासी स्त्री की कहानी से होती है। जो अकेलापन की जिंदगी व्यतीत कर रही है। परंतु अचानक उस सन्यासी स्त्री के जीवन में एक व्यक्ति आता है, जो कभी हत्यारा, तो कभी प्रेमी नजर आता है। नाटक प्रस्तुति के दौरान कलाकार के अभिनय से यह स्पष्ट हो रहा था कि वह व्यक्ति उस सन्यासी स्त्री की हत्या करने की नीयत से आया था। परंतु उसका मन बदल गया और उसके हत्या करने का इरादा उस सन्यासी स्त्री के प्यार में बदल गया। प्यार का कुछ लम्हा बीतने के

नाटक में किया गया हत्या व प्रेम के उलझन का चित्रण

दिनकर भवन में नाटक का मंचन करते कलाकार　　जागरण

बाद उस व्यक्ति को फिर से हत्या की बात याद आती है। और वह फिर से उस सन्यासी स्त्री की हत्या करना चाहता है। इस उधेड़बुन में वह व्यक्ति जीवन के अंतिम पड़ाव तक पहुंच जाता है और अंत तक असमंजस की स्थिति में ही रह जाता है। नाटक के अभिनेता कु यंग येन व अभिनेत्री हो यिंग ने काफी सशक्त अभिनय किया। स्टेज डिजायन हेसियन चुन एन, प्रकाश परिकल्पना मो. फिता हेल्मी बीन ताहीर एवं संगीत डिजायन चेन जुन रेन, वस्त्र विन्यास ली कुन यिंग ने किया था। इससे पूर्व दिनकर कला भवन में नाटक का उद्घाटन सदर एसडीओ विनय कुमार राय, अवकाश प्राप्त जिला जज रामशंकर प्रसाद सिंह, ताईवान की महिला निर्देशक हंग पेई चींग, फिलीपिन्स के निर्देशक फेलिमान ब्लैंको, नगर निगम के पूर्व महापौर संजय कुमार आदि ने संयुक्त रुप से किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर एसडीओ ने कहा कि बेगूसराय सांस्कृतिक परंपरा का निर्वहन करना रहा है। हम अपनी संस्कृति के संरक्षण का कार्य करते रहेंगे। उन्होंने दर्शकों से दूसरे देश व अपने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों का स्वागत करने एवं नाटक देखने का अनुरोध भी किया। अन्य वक्ताओं ने इस अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए आशीर्वाद रंगमंडल के सचिव अमित रौशन को बधाई दिया। साथ ही कहा कि यह आयोजन न सिर्फ बेगूसराय बल्कि बिहार व देश के लिए भी गौरव की बात है। नाटक प्रदर्शन के उपरान्त नाट्य निर्देशक चौंगथम जयंत मित्तई को पंजाब नैशनल बैंक विष्णुपुर शाखा के शाखा प्रबंधक स्वाती ने रंगमंडल की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर तथा सदर एसडीओ ने सभी कलाकारों को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान आगत अतिथियों का स्वागत ललन प्रसाद सिंह तथा मंच संचालन रंग मंडल के सचिव अमित रौशन ने किया।